ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विष्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-७८
दिनांक- शुक्रवार, ०६ नवम्बर, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमषः 29.5 एवं 16.6 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 86 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 45 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.5 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 2.9 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 8.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 21.3 एवं दोपहर में 27.4 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(07–11 नवम्बर, 2020)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 07–11 नवम्बर तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–
- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान प्रायः साफ तथा मौसम के षुष्क रहने का अनुमान है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान 29 से 30 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान 15–16 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- बेगुसराई, समस्तीपुर, सारण तथा सिवान जिलों में अगले तीन दिनों तक पछिया हवा तथा उसके बाद पुरवा हवा चलने का अनुमान है। बाकी जिलों में पूर्वानुमानित अवधि में पूरवा हवा चलने का अनुमान है। औसतन 6–7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 70 से 60 प्रतिषत तथा दोपहर में 30 से 40 प्रतिषत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- धान की कटनी तथा दौनी के कार्य को उच्च प्राथमिकता दे कर पूरा करने का प्रयास करें। कजरा (कटुआ) पिल्लू से बोयी गई रबी फसलों की नियमित रुप से निगरानी करें। फसलों के जमाव के बाद के शुरुआती अवस्था में इस कीट का प्रकोप अधिक होता है। प्याज की स्वस्थ पौध के लिए पौधशाला से प्रत्येक 10–12 दिनों के अन्तराल में खरपतवार निकाल कर हल्की सिंचाई करें।
- गेंहुँ एवं चना की बुआई के लिए 10 नवम्बर के बाद मौसम अनुकुल हो रहा है। किसान भाई प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें। गेहूँ की सिंचित एवं सामान्य समय पर बुआई हेतु पी0बी0डब्लू0–343, पी0बी0डब्लू0–443, सी0बी0डब्लू0–38, डी0बी0डब्लू0–39, एच0डी0–2733,एच0डी0–2824,एच0डी0–2967,के0–9107, के0–307, एच0यू0डब्लू0– 206 एवं एच0यू0डब्लू0–468 किस्में अनुषंसित है। चना के लिए उन्नत किस्म पूसा–256, के0पी0जी0–59(उदय), के0डब्लू0आर0 108, पंत जी 186 एवं पूसा 372 अनुषंसित हैं।
- रबी मक्का की बुआई करें। इसके लिए संकर किस्में शक्तिमान 1 सफेद, शक्तिमान 2 सफेद, शक्तिमान–3 पीला, शक्तिमान 4 पीला, शक्तिमान–5 पीला, गंगा 11 नारंगी पीला, राजेन्द्र संकर मक्का 1, राजेन्द्र संकर मक्का 2 एवं राजेन्द्र संकर मक्का दीप ज्वाला तथा संकुल किस्में– देवकी सफेद, लक्ष्मी सफेद एवं सुआन पीला इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित है। खेत की जुताई में 100–150 क्विंटल कम्पोस्ट, 60 किलोग्रम नेत्रजन, 75 किलोग्रम फास्फोरस एवं 50 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से व्यवहार करें। बीज दर 20 किलोग्रम प्रति हेक्टेयर तथा दूरी 60X20 से0मी0 रखें।
- धनियाँ की बुआई करें। राजेन्द्र स्वाती, पंत हरितिमा, कुमारगंज सेलेक्षन, हिसार आंनद धनियाँ की अनुसंषित किस्में है। पंक्ति में लगाने पर बीज दर 18–20 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30X20 से0मी0 रखें। बीज को 2.5 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। अच्छे जमाव के लिए बीज को दररकर दो भागो में विभाजित कर बुआई करें।
- आलू की रोपनी के लिए तापमान अनुकूल हो रहा है। अतः किसान भाई खेत की तैयारी एवं रोपाई शुरु करें। कुफरी चन्द्रमुखी, कुफरी अशोका, कुफरी बादशाह, कुफरी ज्योति, कुफरी सिंदुरी, कुफरी अरुण, राजेन्द्र आलू– 1, राजेन्द्र आलू– 2 तथा राजेन्द्र आलू–3 इस क्षेत्र के लिए अनुसंषित किस्में है। बीज दर 20–25 क्विंटल प्रति हेक्टेयर रखे। पंक्ति से पक्ति की दुरी 50–60 से0मी0 एवं बीज से बीज की दुरी 15–20 से0मी0 रखें। आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकडे को उपचारित कर 24 घंटे के अन्दर लगावे। बीज को एगलॉल या एमीसान के 0.5 प्रतिषत घोल या डाइथेन एम0 45 के 0.2 प्रतिषत घोल में 10 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखाकर रोपनी करे। समूचा आलू (20–40 ग्राम) लगाना श्रेष्ठकर है। खेत की जुताई में कम्पोस्ट 200–250 क्विटल, 75 किलोग्रम नेत्रजन, 90 किलोंग्रम फास्फोरस एवं 100 किलोग्रम पोटाष प्रति हेक्टर की दर से प्रयोग करें।
- मसुर के मल्लिका(के0–75), अरुण (पी0एल0 77–12), बी0आर0–25 के0एल0एस0– 218, एच0यू0एल0–57, पी0एल0–5 एवं डब्लू0वी0एल0 77 किस्मो की बुआई करें। बुआई के समय खेत की जुताई में 20 किलोग्राम नेत्रजन, 45 किलोग्राम फॉसफोरस, 20 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का व्यवहार करें। बुआई के 2–3 दिन पूर्व कार्बेन्डाजीम फूंदनाषक दवा का 1.0 ग्राम प्रति किलोग्राम बीज की दर से शोधित करें। तत्पष्चात कीटनाषी दवा क्लोरपाईरीफॉस 20 ई.सी. का 8 मि.ली. प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें। बुआई के ठीक पहले उपचारित बीज को उचित राईजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करें।
- राजमा की बुआई करें। इसके लिए उदय (पी0डी0आर0–14), अम्बर (आई0आई0पी0आर0–96–4) एवं उत्कर्ष (आई0पी0आर0–98–5) किस्में अनुसंषित है। बीज बुआई की दुरी 30ग10 से0मी0 रखें। बुआई से पहले खेत की जुताई में 50 किलोग्रम नेत्रजन, 50 किलोग्रम फॉसफोरस, 30 किलोग्राम पोटास एवं 20 किलोग्राम सल्फर का प्रयोग करें। बीज को 2 ग्राम बेविस्टीन प्रति किलोग्राम बीज की दर से उपचारित करें।
- मटर की बुआई करें। इसके लिए रचना, मालवीय मटर–15, अपर्णा, हरभजन, पूसा प्रभात एवं भी0 ऐल0–42 किस्में अनुसंषित है। बीज दर 75–80 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर तथा लगाने की दुरी 30X10 से0मी0 रखें। बीज को उचित राइजोबियम कल्चर (5 पैकेट प्रति हेक्टेयर) से उपचारित कर बुआई करे। पशुओं को रात में खुले स्थान पर नहीं रखें। पशुओं को खाने में सुबह–शाम एक चम्मच नमक का प्रयोग करें।

आज का अधिकतम तापमानः 29.2 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.2 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 15.4 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.5 डिग्री कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी